जल | भूजल प्रदूषण

भारत में 70,776 ग्रामीण रिहाइश यानी करीब 47 .4 मिलियन आबादी दूषित भूमिगत जल पर निर्भर है। एक चिंता की बात यह भी है कि देश में 10 नए प्रदूषक मिले हैं जो भूमिगत जल की गुणवत्ता को और खराब करेंगे। सरकार ने 90 प्रतिशत ग्रामीण परिवारों तक पाइप के जरिए 2022 तक पानी पहुंचाने का लक्ष्य तय किया है लेकिन इसे प्राप्त करना बेहद मुश्किल है

नए खतरे | हाल ही में 10 भूमिगत जल प्रदूषक ग्रामीण भारत में मिले हैं

मैंगनीज

स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव : तंत्रिका तंत्र को विषाक्त बनाता है। इससे पारकिंसन का खतरा रहता है

सर्वाधिक प्रदूषित राज्यों की रिहाइश

पश्चिम बंगाल (13,346), असम (1,041), आंध्र प्रदेश (23)

कॉपर

स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव : लीवर को नुकसान और किडनी की बीमारियां

सर्वाधिक प्रदूषित राज्यों की रिहाइश

आंध्र प्रदेश (3), जम्मू और कश्मीर (1), पश्चिम बंगाल (1)

एल्यूमिनियम

स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव : अल्जाइमर की बीमारी

सर्वाधिक प्रदूषित राज्यों की रिहाइश

पंजाब (510), आंध्र प्रदेश (3), मध्य प्रदेश (2)

मरकरी

स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव : पाचन तंत्रिका, तंत्रिका तंत्र और किडनी को नुकसान

सर्वाधिक प्रदूषित राज्यों की रिहाइश

पंजाब (24)

यूरेनियम

स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव : लीवर और कैंसर का जीवनभर खतरा

सर्वाधिक प्रदूषित राज्यों की रिहाइश

पंजाब (473), जम्मू एवं कश्मीर (2), सिक्किम(1)

लेड

स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव : मस्तिष्क और तंत्रिका तंत्र का अल्पविकास

सर्वाधिक प्रदूषित राज्यों की रिहाइश

पंजाब (430)

कैडमियम

स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव : लीवर को क्षति, ऐंठन, आघात और गुर्दे का काम न करना

सर्वाधिक प्रदूषित राज्यों की रिहाइश

पंजाब (27)

क्रोमियम

स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव : कैंसर, प्रजनन क्षमता पर असर, सांस लेने में दिक्कत, अस्थमा का खतरा

सर्वाधिक प्रदूषित राज्यों की रिहाइश

पंजाब (10)

सेलेनियम

स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव : बालों और अंगुलियों के नाखून में बदलाव, तंत्रिका तंत्र की कमजोरी, थकान और चिड़चिड़ापन

सर्वाधिक प्रदूषित राज्यों की रिहाइश

पंजाब (317)

जिंक

स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव : पेट में दर्द और उल्टियां

सर्वाधिक प्रदूषित राज्यों की रिहाइश

पंजाब (2)

स्रोत राष्ट्रीय ग्रामीण पेयजल कार्यक्रम, पेयजल एवं स्वच्छता मंत्रालय, 9 मई 2018 तक संशोधित

32-34Cover Story-SOE(Water).indd 33 30/05/18 2:18 PM

बुरे हालात

राजस्थान, बंगाल और असम में करीब 70 प्रतिशत ग्रामीण रिहाइश दूषित भूमिगत जल पर निर्भर है

राज्य	ग्रामीण रिहाइश को प्रभावित करने वाले प्रदूषक						
	फ्लोराइड	आर्सेनिक	आयरन	खारापन	नाइट्रेट	हेवी मेटल	कुल
अंडमान-निकोबार	0	0	0	0	0	0	0
आंध्र प्रदेश	348	0	1	62	6	0	417
अरुणाचल प्रदेश	0	0	31	0	0	0	31
असम	285	4,514	6,213	0	0	7	11,019
बिहार	898	871	2,443	0	0	0	4,212
छत्तीसगढ़	403	19	728	2	10	0	1,162
गोवा	0	0	0	0	0	0	0
गुजरात	0	0	0	0	0	0	0
हरियाणा	118	0	0	9	0	0	127
हिमाचल प्रदेश	0	0	0	0	0	0	0
जम्मू एवं कश्मीर	4	0	12	0	0	0	16
झारखंड	534	101	2,183	3	4	0	2,825
कर्नाटक	579	4	77	40	318	1	1,019
केरल	34	0	199	96	32	0	361
मध्य प्रदेश	171	0	5	10	0	0	186
महाराष्ट्र	75	0	17	92	88	0	272
मणिपुर	0	0	0	0	0	0	0
मेघालय	0	0	32	0	0	0	32
मिजोरम	0	0	0	0	0	0	0
नागालैंड	0	0	30	0	0	0	30
ओडिशा	104	0	2,543	377	0	0	3,024
पद्दुचेरी	0	0	0	0	0	0	0
पंजाब	298	698	267	14	143	2,106	3,526
राजस्थान	5,996	0	5	12,606	1,050	0	19,657
सिक्किम	0	0	0	0	0	0	0
तमिलनाडु	0	0	171	22	0	0	193
तेलंगाना	681	0	36	182	145	0	1,044
त्रिपुरा	0	0	2,538	0	0	0	2,538
उत्तर प्रदेश	179	748	362	80	10	0	1,379
उत्तराखंड	0	0	13	0	3	0	16
पश्चिम बंगाल	1,317	9,888	5,701	474	0	270	17,650
कुल	12,024	16,843	23,607	14,069	1,809	2,384	70,736

भूमिगत जल के प्रदूषकों का स्वास्थ्य पर प्रभाव

फ्लोराइड : हड्डियों, दांत और जोड़ों को कमजोर करता है, थॉयराइड ग्रंथि को नुकसान पहुंचाता है
आर्सेनिक : त्वचा, फेफड़ों, मूत्राशय और किडनी को कैंसर
आयरन : लीवर, हृदय और पैनक्रियाज को क्षति, मधुमेह का खतरा
खारापन : उच्च रक्तचाप और ब्लड प्रेशर
नाइट्रेट : शरीर में ऑक्सीजन की कमी
हेवी मेटल : विकास में रुकावट, कैंसर, ऑर्गन को क्षति, तंत्रिका तंत्र में कमजोरी

स्रोत : राष्ट्रीय ग्रामीण पेयजल कार्यक्रम, पेयजल एवं स्वच्छता मंत्रालय, 9 मई 2018 तक संशोधित

32-34Cover Story-SOE(Water).indd 34 30/05/18 2:18 PM